

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

परमात्म इशारे



जिसको खुद को चलाना आता है,
जो अपनी स्व-स्थिति की seat पर set है, मन से स्थिर है,
तो वह सबको चला लेगा।

और जो अपनी स्व-स्थिति की seat से उतर गया,
तो जब वह खुद को ही नहीं चला पा रहा,
तो औरों को कैसे चला पायेगा !
फिर दूसरी आत्मायें उसके डर से काम करेंगी,
या फिर मजबूरी से..., प्रेम से या दिल से नहीं !

d2h 1221

dishtv 1087

TATA PLAY 1065

airtel 678

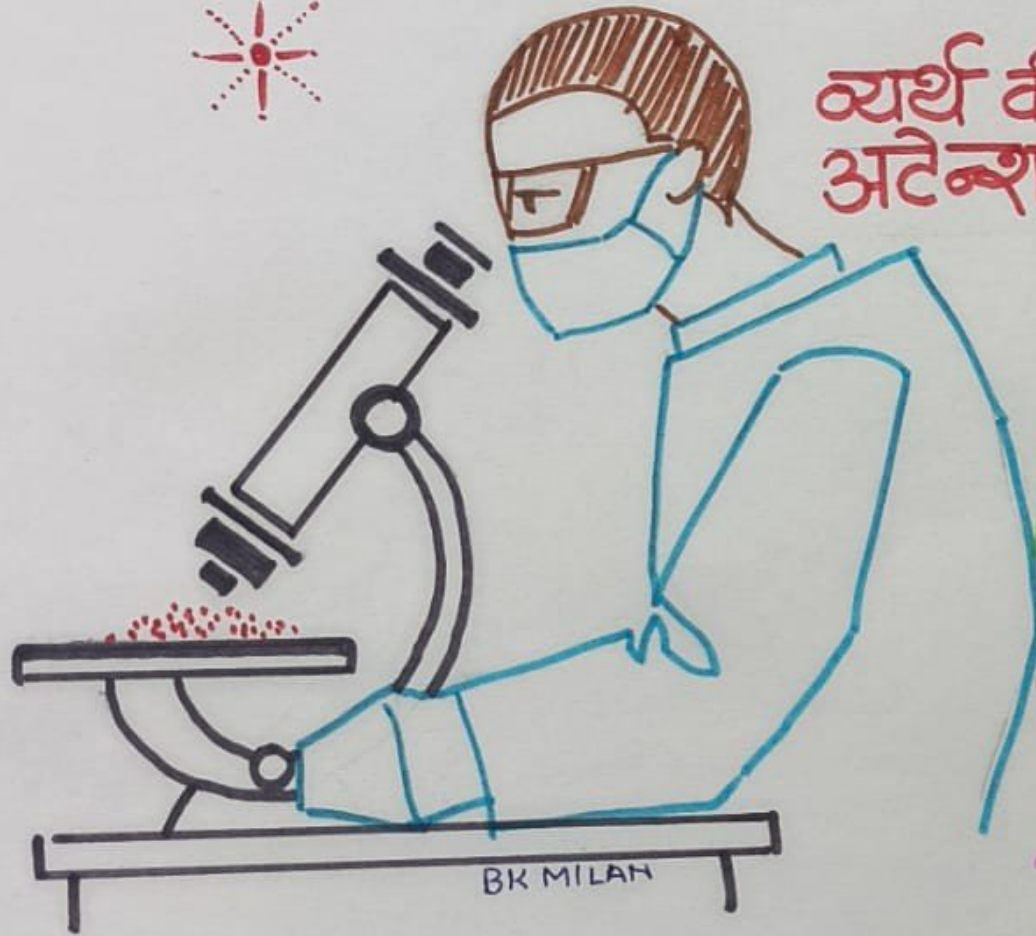
SUN
DIRECT 496

JioTV 1065





व्यर्थ की चेकिंग
अटेन्शन से करो,



अलबेले
रूप में
नहीं।





लीवर घड़ी



सलेन्डर घड़ी

शिव बाबा कहते हैं -

लीवर और सलेन्डर घड़ी होती है ना। लीवर घड़ी बिल्कुल एक्यूरेट रहती है। इसमें भी किनका बुद्धियोग लीवर रहता है, किनका सलेन्डर रहता है। कोई का बिल्कुल लगता ही नहीं है। घड़ी जैसेकि चलती ही नहीं है।

तुमको बिल्कुल लीवर घड़ी बनना है तो राजाई में जायेंगे। सलेन्डर प्रजा में जायेंगे।

Murli:-23/04/2024

सदा निर्भय और निश्चित

मातेश्वरी जी का तपोबल उच्च स्तरीय और विशुद्ध था। जब कभी उनके पास जाना होता था तो ऐसा महसूस होता था कि वे योग की शक्तिशाली स्टेज में स्थित हो कर पवित्रता एवं दिव्यता की किरणें विकिरण कर रही हों। उनके नयन स्थिर, चेहरे पर मुस्कराहट और मुखमंडल दिव्य आभा को लिये हुए होता था। वे केवल ज्ञान द्वारा ही जन-जन की सेवा नहीं करती थीं बल्कि अपने तपोबल और अपनी स्थिति से आत्माओं में बल भरती थीं और अपनी शीतलता से आत्माओं को शीतल कर देती थीं। उनके जीवन में अनेक घटनायें ऐसी हुईं जो भयावह एवं विकराल रूप धारण किये हुए थीं परन्तु वे इस विविधता पूर्ण विश्व नाटक (Variety World Drama) में अटल निश्चय होने के कारण सदा निश्चिन्त रहती थीं। अन्यथा, यदि बाबा ने उनको कोई ऐसा कार्य सौंप दिया जिसका उन्हें अनुभव न हो या वह बहुत कठिन हो, तब भी उन्होंने कभी ऐसा नहीं कहा कि मैं इसे कैसे करूंगी, मैं तो इससे अपरिचित हूँ, बल्कि उन्होंने सदा "जी बाबा"- ऐसा कह कर ज़िम्मेवारी को स्वीकार किया और उसे सम्पन्न करके दिखाया।



हम जितनी बार
शिवपिता को याद करते
हैं उतनी बार हमारा
भाग्य बनता है।

भाग्यवान वह है जो सदा
अपने भाग्य के लिए प्रभु
परमात्मा का दिल से
धन्यवाद करते हैं।





शिवशक्ति सरस्वती माँ

मम्मा का जीवन नेचुरल था।
उनका स्वभाव बहुत सरल
था। मिठास थी उनके व्यवहार
में। उनमें सदा यह भाव रहता
था कि सबको आगे बढ़ायें।
मम्मा हरेक की योग्यता और
विशेषता अनुसार वही कार्य
दिया करती थीं जो वह सहज
कर सके।



Capturing scenes of my Life
Posting them on social media
Expecting people to LIKE my scenes
Getting hurt if they do not like it
Not Liking their posts because
They did not like mine...

Happiness Decreases

Let ME LIKE my scenes of life ...
Not ONLINE but INSIDE.

Happiness Increases

BKShivani    



Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org